



■ संविधान ने  
सुनिश्चित  
किया है कि  
भारत मजबूत  
और एकजुट रहे  
- 12



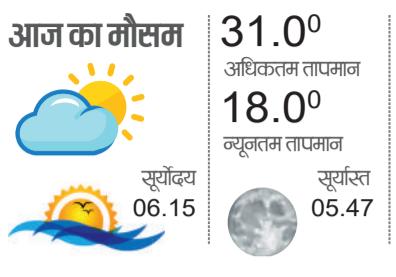
■ भारत के स्वदेशी  
एआई गॉडल के  
लिए वित्तीय डेटा  
उपलब्ध कराएगा  
आईसीएआई  
- 12



■ गणग युद्ध : गिस  
में हो रही थांति  
वार्ता में भाग  
लेने को भारत  
को भी निनंत्रण  
- 13



■ कुलदीप अब  
शीर्ष बाएं हाय  
के कलाइ के  
स्पिनरों के  
वलब में शामिल  
- 14



| कार्तिक कृष्ण पक्ष सप्तमी 12:24 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत् 2082

## बीएसएफ की वायु शाखा की पहली महिला फ्लाइट इंजीनियर बनीं भावना

नई दिल्ली, एजेंसी

बीएसएफ की वायु शाखा को अपने 50 साल से अधिक के इतिहास में पहली महिला फ्लाइट इंजीनियर मिली है। वायु शाखा में पहली महिला फ्लाइट इंजीनियर की नियुक्ति आंतरिक प्रशिक्षण पूरा होने के बाद हुई है।



■ 50 साल से  
अधिक पुराना  
इतिहास बदला,  
बीएसएफ डीजी ने  
फ्लाइंग बैज  
प्रदान किए



पारी के आधार पर कोहली  
धरन से ऊपर निकलीं  
● 112 पारियां - स्मृति मंथना  
● 114 पारियां - विराट कोहली  
● 118 पारियां - शिखर धवन  
● 126 पारियां - रोहन गांगुली

पांच अधीनस्थ अधिकारियों को बीएसएफ वायु शाखा के प्रशिक्षकों द्वारा शुरू से ही प्रशिक्षित किया गया था और उन्होंने हाल में अपना दो महीने का प्रशिक्षण पूरा किया है। 130 घंटे तक प्रशिक्षण में उन्हें काम का वास्तविक अनुभव भी मिला क्योंकि बीएसएफ वायु शाखा की विभिन्न इकाइयों ने पंजाब व अंय राज्यों में हाल में आई बाढ़ के दौरान भी जैसे विशेष बलों की अभियानगत आवश्यकता को पूरा करता है। अधिकारियों ने बताया कि परिचालन उड़ानें भरी।

### ब्रीफ न्यूज़

दिल्ली में मंदिर से 40  
लाख रुपये मूल्य का  
सोने का कलश चोरी

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के ज्योति नगर इलाके में एक जैन मंदिर के शिखर से लाभा 40 लाख रुपये मूल्य का सोने की पत्त चोर करका कथित तौर पर चोरी हो गया है। पुलिस ने बताया कि मंदिर में लगी सीसीटीवी कैमरे में चोरी की घटना रिकॉर्ड हो गई और चोरी के दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। एक प्रशिक्षण में एक चोरी की घटना तौर पर सोने की पत्त चोर करका कथित तौर पर चोरी की घटना रिकॉर्ड हो गई है। जबकि एक अन्य वीडियो में उस अंधेरे कलश के लिए जारी हुए दिखाया गया है।

सिंगापुर पुलिस ने जबीन मौत मामले में महत्वपूर्ण जानकारी मांगी। असम के मुख्यमंत्री हिंमंति विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि सिंगापुर पुलिस ने याथक जबीन गर्म की मौत के सिलसिले में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी मांगी है। शर्मा ने यहां एक समाचार से इतर प्रकारों से कहा कि असम सरकार ने फैसले ही आयोजक जानकारी एकत्र कर रिपोर्ट के अधिकारियों को भेज दी है। उन्होंने कहा, हमने परिवार से जानकारी एकत्र कर रिपोर्ट के अधिकारियों को भेज दी है। वे मामले की गोपीनाथ से जब कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने हालांकि स्पष्ट नहीं किया कि सिंगापुर ने गर्म के परिवार को भागीदारी मांगी है।

सिंगापुर पुलिस ने जबीन मौत मामले में महत्वपूर्ण जानकारी मांगी।

युवाहारी। असम के मुख्यमंत्री हिंमंति विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि सिंगापुर पुलिस ने याथक जबीन गर्म की मौत के सिलसिले में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी मांगी है। शर्मा ने यहां एक समाचार से इतर प्रकारों से कहा कि असम सरकार ने फैसले ही आयोजक जानकारी एकत्र कर रिपोर्ट के अधिकारियों को भेज दी है। आवास पर रविवार को प्रेस ब्रिफिंग में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारत रन और लौह पुरुष सरदार वल्लभ वाई पटेल की 150वीं जयंती को उपलक्ष्य में पत्रकार वार्ता करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

राज्य व्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारत रन और लौह पुरुष सरदार वल्लभ वाई पटेल की 150वीं जयंती को उपलक्ष्य में पत्रकार वार्ता करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।



सरदार वल्लभपाल पटेल के 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में पत्रकार वार्ता करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

पटेल के आगे नहीं चली नवाब व निजाम की मनमानी योगी ने कहा कि जुनागढ़ के नवाब और हैदराबाद के निजाम की मनमानी उस समय सरदार पटेल के दूर्दृश्य के आगे टिक नहीं सकी। जौहुरुल्लास की दूर्दृश्य से ही आज का अखंड भारत संभव हुआ। उहाँने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 से सरदार पटेल जयंती को गढ़ीय एकता देश के रूप में मनाया जा रहा है। इसी परिपाला को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष देशभर में 'सरदार @150 यूनिटी मार्च' आयोजित होगा।

आवास पर रविवार को प्रेस ब्रिफिंग में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती पर पूरे प्रदेश में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन होगा। इसके साथ ही 31 अक्टूबर से 26 नवंबर (सवित्रान दिवस) तक 'सरदार @150 यूनिटी मार्च' आयोजित होगा।

मार्च चलेगा। इसमें यूपी के खिलाड़ी, पारी के आधार पर कोहली धरन से ऊपर निकली जाएगी। वायर को भारत रन और लौह युवा भाग लेंगे। प्रत्येक जिले से चुने गए पांच-पांच युवा युवराज की धरती पर घुटने लगाएंगे। युवराज की धरती पर स्टेट्यू ऑफ युनिटी तक 150 किलोमीटर की स्वतंत्रता सेनानी नहीं, भारत की एकता के दौरान हुआ।

पदयात्रा करेंगे। ये दल चार प्रमुख कलाकार और युवा भाग लेंगे। प्रत्येक जिले से चुने गए पांच-पांच युवा युवराज की जन्मपूर्ति पर कठपुत्रे हुए सरदार साहब के जैविक आधार पर क्रियमान वाले के प्रतिमाओं पर मार्त्यन्दान कर श्रद्धांजलि दी जाएगी। मई भारत, एनसीसी, एनएसएस समेत विविध युवा संगठनों द्वारा सरदार पटेल की प्रतिमाओं पर मार्त्यन्दान कर श्रद्धांजलि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अधियान केवल स्मरण भर नहीं, बल्कि अखंड भारत से आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने की पहल है। यात्रा के दौरान विशेष चूच्छता अधियान भी चलेंगी और स्थानीय संगठनों द्वारा सरदार पटेल की प्रतिमाओं पर मार्त्यन्दान कर श्रद्धांजलि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अधियान के वरित नेता स्मारक चौथी ने भी चूच्छता अधियान भी चलेंगी। यह अधियान के वरित नेता स्मारक चौथी ने भी चूच्छता अधियान भी चलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अधियान के वरित नेता स्मारक चौथी ने भी चूच्छता अधियान भी चलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अधियान के वरित नेता स्मारक चौथी ने भी चूच्छता अधियान भी चलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अधियान के वरित नेता स्मारक चौथी ने भी चूच्छता अधियान भी चलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अधियान के वरित नेता स्मारक चौथी ने भी चूच्छता अधियान भी चलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अधियान के वरित नेता स्मारक चौथी ने भी चूच्छता अधियान भी चलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अधियान के वरित नेता स्मारक चौथी ने भी चूच्छता अधियान भी चलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अधियान के वरित नेता स्मारक चौथी ने भी चूच्छता अधियान भी चलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अधियान के वरित नेता स्मारक चौथी ने भी चूच्छता अधियान भी चलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अधियान के वरित नेता स्मारक चौथी ने भी चूच्छता अधियान भी चलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अधियान के वरित नेता स्मारक चौथी ने भी चूच्छता अधियान भी चलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अधियान के वरित नेता स्मारक चौथी ने भी चूच्छता अधियान भी चलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अधियान के वरित नेता स्मारक चौथी ने भी चूच्छता अधियान भी चलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अधियान के वरित नेता स्मारक चौथी ने भी चूच्छता अधियान भी चलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अधियान के वरित नेता स्मारक चौथी ने भी चूच्छता अधियान भी चलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अधियान के वरित नेता स्मारक चौथी ने भी चूच्छता अधियान भी चलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अधियान के वरित नेता स्मारक चौथी ने भी चूच्छता अधियान भी चलेंगी।

</









## न्यूज ब्रीफ

वरिष्ठ अधिवक्ता के निधन पर शोक जताया



रामपुर, अमृत विचार: सिविल लाइंस के आवास विकास निवासी वरिष्ठ अधिवक्ता और अंतर्कालीन एकटर कमीटी के देयरमेन की मायुर की दो दिन पहले तीव्र खरब हो गई थी। वह मुरादाबाद के ऐश्वर्यन विवेकानंद हॉस्पिटल में भर्ती हो गई। जहाँ रविवार सुहूर की बौद्धि थी। जिससे परिजन और अधिवक्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई। उनकी उम्र करीब 93 वर्ष थी। उनके घर पर लोगों का तांता लगा रहा। शाम घार बढ़े उनका अंतिम संरक्षण कर दिया गया।

**आशीष ने 61.50 मी. भाला फेंका**



रामपुर, अमृत विचार: जैन इंटर कॉलेज के कक्षा 12 के छान आशीष कुमार यादव ने 61.50 मीटर भाला फेंक कर जनपद में रिकॉर्ड बनाया है। कॉलेज के व्यायाम शिक्षक युवराज शमा ने बताया कि आशीष ने मंडलीय प्रतियोगिता हेतु द्वारा लाइफ इंकिया है। छान की सफलता पर विद्यालय के प्रधानाचार्य हरीश कुमार इडेनो ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। परिवार में भी खुशी का महोल है।

**छेड़खानी व मारपीट में आठ लोगों पर रिपोर्ट**

रामपुर, अमृत विचार: मिलक थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक ग्रामीण ने पुलिस की दोहरी तरफ से एक बाल लोगों पर अधिकारी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। परिवार में भी खुशी का महोल है। फोन का परामर्श करता है। जिसकी शिक्षायत देवी ने की थी। पिंडा ने सचिव के पास दो शिक्षायत की तो आपौ 11 अंकदूर को अमिकार, कैलाश, मुरुश ने में घर पर आग लिया। एस.एस.ए.पी. को लाठी डंडों से पीटकर घायल कर दिया। तहरीक के आधार पर पुलिस ने चार लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। वहीं दूसरे पांच की ओर से तीहरी में नीरज ने आरोप लगाया है कि 11 अंकदूर को घर से दुकान पर समान लेने जा रही थी कि रासे में विशेष, जियायाल, रिकू और बीर सिंह ने उसे रोके लिया। दूसरे तरफ एक विशेष करने पर लाठी डंडों से पीटकर घायल कर दिया। पुलिस ने आठ लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

## साइबर सेल टीम ने पीड़ित के 45 हजार रुपये वापस कराए

कार्यालय संचादाता, रामपुर



अमृत विचार: साइबर सेल की टीम ने पीड़ित के धोखाखड़ी से हड्डे पर गए 45 हजार रुपये वापस कराए। जिसके बाद पीड़ित ने राहत की सास ली है।

सिविल लाइंस के बाबा दीप सिंह नगर निवासी नवल किशोर ने थाना सिविल लाइंस में बताया था कि 25 सितंबर को साइबर टांगों द्वारा होस्टल में रहने के नाम पर धोखाखड़ी कर फोन-पे के माध्यम से 68,000 रुपये ट्रांसफर करा लिए थे। उसने शिकायत साइबर पोर्टल पर 29 सितंबर को की थी। साइबर सेल थाना सिविल लाइंस की टीम द्वारा आरोपी की जानकारी प्राप्त करा

कार्यालय संचादाता, रामपुर

अमृत विचार: रामपुर में स्टॉबेरी की खेती से किसान अपनी आय बढ़ाने की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। मिलक तहसील के ग्राम किसान सुरेश कुमार एक सीजन में प्रयोग के तौर पर एक बांध में स्टॉबेरी की खेती के लिए बड़े खेत हैं, जो सफल रहा है। इसके बाद वो अब स्टॉबेरी की खेती को बढ़ावाएं।

उन्होंने बताया कि स्टॉबेरी की खेती के लिए अभी मौसम गरम है। वह हिमाचल प्रदेश से स्टॉबेरी की पौध मंगाएंगे। स्टॉबेरी की खेती के लिए 15 से 30 डिग्री सेलिंसयस के बीच तापमान हो तो बहुत ही अच्छा काम होना चाहिए।

हिमाचल प्रदेश से आएगी पौध, एक बीघा में सफल रहा प्रयोग

## स्टॉबेरी की खेती की ओर किसानों का झुकाव



● अमृत विचार

खेत में लगी स्टॉबेरी की फसल।

• अच्छी पैदावार के लिए बहुत-दोमट मिट्टी वाला खेत चुनें

• सेवन से कम होना है व्यक्ति में कैसर होने का खतरा

कई किस्में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए बहतर

कृषि विशेषज्ञ डॉ. विशाल गंगवार बताते हैं कि व्यासायिक रूप से खेती के लिए स्टॉबेरी की आपा, चांडलर, ल्क और रेट्टी वाली की किसानी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए बहतर है। स्टॉबेरी पौध लगाने के लिए पासिस्टिक मरिंग में 20 से 30 सेमी की दूरी पर छेद करें। स्टॉबेरी के फल को पकड़ कर नहीं तोड़ना चाहिए। पैकिंग लास्टिक की प्लेटों में करना चाहिए। वह अनुशंसा की जाती है कि व्यक्ति प्रतिदिन 8 स्टॉबेरी खाएं तो टाइ-2 मूवमें लाख मिल सकता है। स्टॉबेरी खाने से व्यक्ति में कैसर का खतरा कम होना हो सकता है।

रखें कि मिट्टी का पीएच 5 से 6.5

सिंचाई के लिए ड्रिंग इरिगेशन का केची हो। खेत में स्टॉबेरी लगाने इस्तेमाल करना चाहिए ताकि, पानी से पहले पर्याप्त मात्रा में गोबर की भी बचे और साथ ही फर्टिलाइजर खाद डालें ताकि, पैदावार अच्छी हो। आदि देने में आसानी हो सके।

## जिले में 400 स्थानों पर लगेंगी आतिशबाजी की दुकानें

अग्निशमन विभाग हुआ अलर्ट, पुलिस रहेगी तैनात, शहर में चार स्थान किए गए हैं निर्धारित

कार्यालय संचादाता, रामपुर



पटखा व्यापारी से जानकारी लेते दरोगा।



मजदूरों को जागरूक करती पुलिस।

## महर्षि वाल्मीकि ने समाज को एक सूत्र में बांधा

कार्यालय संचादाता, रामपुर

अमृत विचार: भगवान वाल्मीकि प्रकटोत्सव के उपलक्ष्य में भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज के मंडल संगठन मंत्री रवि वाल्मीकि के नेतृत्व में नगर में भगवान वाल्मीकि राष्ट्रीय समाज हुई तोड़ना शामिल हो गई।

जिसका आरंभ अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग की उत्तर प्रदेश की सदस्य स्थानीय गोत्र प्रधान व भावाधास के राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री दीप राही ने संयुक्त रूप फौता काटकर किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भगवान वाल्मीकि हिन्दू संस्कृति, सत्य, ज्ञान के दाता हैं व्याकिं भगवान वाल्मीकि, लव कुश को शिक्षा देते, हुमना जो तोड़ना करते, वाल्मीकि वाल्मीकियां दीप राही ने व्यापार में पूष्प वर्ष का नार वासियों ने स्वागत किया। रवि वाल्मीकि, दुर्गा प्रसाद वाल्मीकि, सतीश चौधरी, हरिओम वाल्मीकि, अभय कुमार वाल्मीकि, सुरेश वाल्मीकि, छत्रपाल, सोनू वाल्मीकि, लक्की वाल्मीकि, शिवा वाल्मीकि, सुनील वाल्मीकि, रिकी वाल्मीकि, अचना वाल्मीकि, कपिल वाल्मीकि, सर्वेश चौधरी, प्रदीप राजेन्स महेंद्र दीपवान आदि जो मौजूद रहे।



● अमृत विचार

टीमें लगातार कर रही जागरूक

जिले में नौ लोगों के पास लाइसेंस

जिले में जिनती लोगों के पास लाइसेंस है। जिसमें भी एक गोत्र के लिए नौ लोगों के लिए नौ लोगों के पास लाइसेंस है। इनमें से दो लोग केवल बैनरों का काम करते हैं। जबकि दिवाली के मौके पर शहर में चार स्थानों पर आतिशबाजी की तृक लगती है जिसका लेवर लोगों ने कलंपट के चक्रवर्त का बाटना शुरू कर दिए हैं। वर्षां पुलिस लोगों ने घृणा करते हुए जागरूक लोगों की जरूरी होती है।

सिंह ने बताया कि आतिशबाजी रही है। वहीं लोगों को जागरूक की जरूरी है। जिसकी लोगों को टीमें चेक कर भी किया जा रहा है। जहाँ पर भी किया जा रहा है। जहाँ पर भी किया जा रहा है।

आतिशबाजी की दुकानें लगेंगी।

रहेंगे। लोगों से भी सतर्कता बरतने की अपील की है।

100 सिपाही और तीन दरोगा रहेंगे तैनात

जिले भर में सभी 400 स्थानों पर बिकने वाली आतिशबाजी की दौरान सुरक्षा के लिहाज से दमकल विभाग में तीन सदर में 4 बिलासपुर में एक और टांडा में एक व्यक्ति के पास लाइसेंस है। इनमें से दो लोग केवल बैनरों का काम करते हैं। जबकि दिवाली के मौके पर शहर में चार स्थानों पर आतिशबाजी की तृक लगती है जिसका लेवर लोगों ने कलंपट के चक्रवर्त का बाटना शुरू कर दिए हैं। जिसमें लोगों को सही से काम करने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

पुलिस लोगों ने घृणा करते हुए जागरूक लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

आतिशबाजी की दुकानें लगेंगी।

रहेंगे। लोगों से भी सतर्कता बरतने की अपील की है।

जिसका आरंभ अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग की उत्तर प्रदेश की सदस्य स्थानीय गोत्र प्रधान व भावाधास के राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री दीप राही ने संयुक्त रूप फौता काट

न्यूज ब्रीफ



रासलीला का उद्घाटन करते लोग।

# कड़ी सुरक्षा में पीसीएस प्री परीक्षा सकुशल संपन्न

आधे से ज्यादा अभ्यर्थियों ने छोड़ी परीक्षा, तलाशी लेकर दिया प्रवेश, अधिकारियों ने केंद्रों का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा



परीक्षा केंद्र का निरीक्षण के दौरान निर्देश देती डीएम निधि गुप्ता वत्स। ● अमृत विचार



परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों की चेकिंग व रैकेंग करती टीम। ● अमृत विचार

**अमृत विचार :** जिले में 15 परीक्षा केंद्रों पर पीसीएस की प्रारंभिक परीक्षा शांतिपूर्ण और नकल विहीन पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई। दो प्रथम पाली में परीक्षा संपन्न कराई गई। प्रथम पाली में 7008 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से मात्र 2722 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 4286 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे दूसरी पाली में 7008 अभ्यर्थियों में से मात्र 2071 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। 4307 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

रविवार को अमरोहा जिले में 15 केंद्रों पर सिविल सेवा पीसीएस की प्रारंभिक परीक्षा हुई। परीक्षा को लेकर पुलिस व प्रशासन के कड़े इंतजाम किए गये थे। परीक्षा केंद्रों पर प्रशासन को लेकर परीक्षा को लेकर परीक्षा की तैयारी की गई थी। पीसीएस की परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों की पहले परीक्षा केंद्र के गेट पर तलाशी ली गई। इनमें प्रमुख रूप से सुनील कुमार वौहान, बबल वौहान, कुली कुमार सैनी, बजपाल सिंह जाटव, पिंटु वौहान, मदनाला सैनी और इंद्रपाल सिंह शामिल थे।

बिमारी के कारण जयंत चौधरी की

जनसभा रद्द

जनसभा

मृतक





सोमवार, 13 अक्टूबर 2025

## उम्मीद की खेती

कृषि प्रधान देश की जीडीपी में सबसे बड़ा योगदान खेती का है, परंतु इसकी हिस्सेदारी घटती जा रही है। ऐसे में मोदी सरकार का काफ़ेक्स कृषि क्षेत्र को आधिकारिक, टिकाऊ और लाभकारी बनाने पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री की कृषि क्षेत्र में की गई योग्याण् दीर्घकालिक, दूरदर्शी सोच को दर्शाती है। 'पीएम धन-धन्य कृषि योजना' के साथ दलहन आत्मनिर्भरता मिशन देश के किसानों की स्थिति में सार्थक बदलाव ला सकती है। फिलहाल किसानी अब भी घाटे का सौदा है। देखना यह है कि अगले छठे वर्षों तक चलने वाली ये योजनाएँ किसानों में क्या क्रांति लाती हैं। हालांकारे रुपये से अधिक की इन योजनाओं ने किसानों में नई उम्मीदें जगाई हैं, क्योंकि ये केवल वित्तीय घोषणाएँ नहीं, बल्कि कृषि को पुनः करती की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तर बनाने का प्रयास प्रतीत होती है।

प्रधानमंत्री धन धन्य योजना के अंतर्गत 100 से कम उपज वाले जिलों को लक्षित करना और निर्धारित करना कि राष्ट्रीय औसत उपज से 25 प्रतिशत कम उत्पादन वाले इन जिलों की पैदावार को राष्ट्रीय औसत के बराबर लाया जाए, एक सराहनीय कदम है। वहां के किसानों को बुनियादी ढांचा और वित्तीय सहायता प्रदान कर, फसलों के विविधीकरण को बढ़ावा देकर, सिंचाई, बंडारण और प्रसंस्करण सुविधाएँ उत्पाद्य कराने से जलवायु-सम्मत, पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा दिलाएं। कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने की यह कोशिश कालान्तर में किसानों की आजीविका और आमदनी दोनों में बढ़ावा करेगी। खेतों के लिए कर्ज देने से किसानों को सुविधा तो मिलती है, पर यह चिंता भी रहती है कि जर्जरस्ता और आत्महत्यां न बढ़ें। केवल कर्ज देना पर्याप्त नहीं, उपरके साथ सुखूद ढींग, फसल यथावत विस्तरात और विपणन की गारंटी भी आवश्यक है। यदि किसान को यह भरोसा हो कि उसकी फसल का न्यूनतम मूल्य मिलेगा और प्राकृतिक आपदा की स्थिति में सरकार उसके साथ खड़ी होगी, तभी कृषि त्रया विकास का सशक्त साधन बन सकता है।

देश में दालों की खपत बढ़ रही है, लेकिन उत्पादन में स्थायित्व नहीं है। दशकों से दलहन उत्पादन बढ़ाने के प्रयासों के बावजूद यह क्षेत्र धन-गेहूं जैसी गारंटी नहीं पा सका। यदि मिशन के तहत बीज सुधार, न्यूनतम समर्थन मूल्य की विश्वसनीयता और नियंत्रण नीति में विस्तरता लाई गई, तो आत्मनिर्भरता का लक्ष्य अब दूर नहीं रहेगा। इन सरकारी योजनाओं की सफलता इस बात पर निभर करेगी कि खेतों 'मुनाफ़ा का धंधा' बनने की ओर बढ़े। इसके लिए केवल धन वितरण या अवसंरचना निर्यात पर्याप्त नहीं। किसानों को प्रशिक्षण, तरीकी, जल प्रबंधन और बाजार तक संभासंपर्क भी चाहिए। साथ ही गारंटी युवाओं को कृषि-आधारित उद्योगों से जोड़ना आवश्यक है, ताकि पलायन रुके और गांवों में रोजगार सुनित हो। इससे उस नरिटव को तोड़ने में सफलता मिलेगी जिसमें कहा जाता है कि सरकार कॉर्पोरेट दबाव में खेतों को धीरे-धीरे खत्म करना चाहती है। योजना अगर नियोजित तरीके से लागू हुई, खेत, बाजार और किसान के बीच भरोसा को पुल बना तो कृषि फिर से अर्थव्यवस्था की आत्मा बना सकती है।

### प्रसंगवदा

## जोहो: मजदूरी से असली IT क्रांति तक का सफर

आईटी सेक्टर के आने पर कहा गया था कि भारत में तकनीकी क्रांति आ गई है, लेकिन सच यह है कि वह ज्यादातर आईटी मजदूरी की क्रांति थी, जहां भारतीय युवा परिचयी कंपनियों के लिए कोडिंग और सोफेट का काम करने लगे। मेहरान हमारी थी, मगर मालिकाना हक किसी और का था। श्रीधर वेंकू ने इस मानसिकता को चुनावी दी।

उनको कंपनी जोहो सिर्फ़ एक बिजेन्स मॉडल नहीं, बल्कि यह इस सोच की क्रांति है कि तकनीकी को केंद्र गांव भी बन सकते हैं और प्रतिथा डिग्री या अंग्रेजी की मोहताज बिल्कुल नहीं।

वेंकू अमेरिका में रहकर कोडों का काम सकते थे, लेकिन उन्होंने ताज लिया कि अगर रोजाना गांव तक नहीं जा रहा, तो हम ही उद्योग गांव तक ले जाएं। जहां बाकी आईटी कंपनियों वाले शहरों में टॉवर बना रही थीं, वहां जोहो ने तमिलनाडु के छोटे कालों और गांवों में दफ्तर खोले। वहां के युवाओं को जोहो ने बिन डिग्री, बिन अंग्रेजी और महंगे कॉलेज के बिना खुद ट्रेनिंग देकर काम दिया। आज जोहो के हजारों कर्मचारी ऐसे गांवों से आते हैं, जिनका आईटी से कोई संबंध पहले नहीं था।

जोहो ने तो वह बड़े दबलाव किए। असली टैलेंट की पहचान की। गांव के युवाओं को सिखाकर इंटरनेशनल प्रोडक्ट बनवाए गए। आउटसोर्सिंग नहीं, अपना प्रोडक्शन किया। जोहो ने माइक्रोसफ्ट और गूगल जैसी कंपनियों को टक्कर देने वाले सॉफ्टवेयर खुद तैयार किए। गांवों में रोजगार और आत्मनिर्भरता को बढ़ाव दिया जाए। इसके लिए शहरों को बोझ से बचाकर विकास को गांवों तक पहुंचाया गया।

जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर भारी ईरेफ लगाया, तो दुनिया की टेक कंपनियों में हड्कप मच गया। सप्लाई चेन से लेकर सर्विस डिलीवरी तक तक सब पर असर पड़ा। कई कंपनियों ने लागत बढ़ाव दिया। लेकिन जोहो कंपनीयों को आपदा के लिए उपचार करने की ओर बढ़े।

जोहो ने इस दौरान बिना विदेशी निवेश और किसी दबाव के अपने सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट्स को अमेरिका, यूरोप और एशिया के बाजारों में मजबूती से स्थानित किया। यहीं से यह सवित्र हुआ कि भारत सिर्फ़ 'बैक ऑफ़स' नहीं, बल्कि नए वैश्विक समाजान का निर्माता है और उस निर्माण की जड़ें गांव में भी हो सकती हैं।

अपनी तक भारतीय आईटी सेक्टर की पहचान यहीं थी कि 'काम हम करें, मालिकाना हक उनका हो।' वेंकू ने इसे उलट दिया। बिना विदेशी फंड और बिना शेयर मार्केट के दबाव के जोहो आज 190 से ज्यादा दोगों में से बांधव देख रही है। अब यह संभव है कि सरकारी स्कूल और डिजिट बोर्डों पर योजनाएँ की जाएं। जोहो ने योजनाएँ की जोहो आईटी से कोई अंतर्विद्युतीय ट्रायल नहीं है।

जोहो ने इस दौरान बिना विदेशी निवेश और किसी दबाव के अपने सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट्स को अमेरिका, यूरोप और एशिया के बाजारों में ज्यादा लोगों को बढ़ाव दिया। गांव की लड़कों की अंतर्राष्ट्रीय ट्रिम जोहो ने अंग्रेजी और अंग्रेजी ही बोलने वाले बनाए।

जोहो ने इस दौरान बिना विदेशी निवेश और किसी दबाव के अपने सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट्स को अमेरिका, यूरोप और एशिया के बाजारों में ज्यादा लोगों को बढ़ाव दिया। गांव की लड़कों की अंतर्राष्ट्रीय ट्रिम जोहो ने अंग्रेजी और अंग्रेजी ही बोलने वाले बनाए।

जोहो ने इस दौरान बिना विदेशी निवेश और किसी दबाव के अपने सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट्स को अमेरिका, यूरोप और एशिया के बाजारों में ज्यादा लोगों को बढ़ाव दिया। गांव की लड़कों की अंतर्राष्ट्रीय ट्रिम जोहो ने अंग्रेजी और अंग्रेजी ही बोलने वाले बनाए।

जोहो ने इस दौरान बिना विदेशी निवेश और किसी दबाव के अपने सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट्स को अमेरिका, यूरोप और एशिया के बाजारों में ज्यादा लोगों को बढ़ाव दिया। गांव की लड़कों की अंतर्राष्ट्रीय ट्रिम जोहो ने अंग्रेजी और अंग्रेजी ही बोलने वाले बनाए।

जोहो ने इस दौरान बिना विदेशी निवेश और किसी दबाव के अपने सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट्स को अमेरिका, यूरोप और एशिया के बाजारों में ज्यादा लोगों को बढ़ाव दिया। गांव की लड़कों की अंतर्राष्ट्रीय ट्रिम जोहो ने अंग्रेजी और अंग्रेजी ही बोलने वाले बनाए।

जोहो ने इस दौरान बिना विदेशी निवेश और किसी दबाव के अपने सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट्स को अमेरिका, यूरोप और एशिया के बाजारों में ज्यादा लोगों को बढ़ाव दिया। गांव की लड़कों की अंतर्राष्ट्रीय ट्रिम जोहो ने अंग्रेजी और अंग्रेजी ही बोलने वाले बनाए।

जोहो ने इस दौरान बिना विदेशी निवेश और किसी दबाव के अपने सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट्स को अमेरिका, यूरोप और एशिया के बाजारों में ज्यादा लोगों को बढ़ाव दिया। गांव की लड़कों की अंतर्राष्ट्रीय ट्रिम जोहो ने अंग्रेजी और अंग्रेजी ही बोलने वाले बनाए।

जोहो ने इस दौरान बिना विदेशी निवेश और किसी दबाव के अपने सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट्स को अमेरिका, यूरोप और एशिया के बाजारों में ज्यादा लोगों को बढ़ाव दिया। गांव की लड़कों की अंतर्राष्ट्रीय ट्रिम जोहो ने अंग्रेजी और अंग्रेजी ही बोलने वाले बनाए।

जोहो ने इस दौरान बिना विदेशी निवेश और किसी दबाव के अपने सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट्स को अमेरिका, यूरोप और एशिया के बाजारों में ज्यादा लोगों को बढ़ाव दिया। गांव की लड़कों की अंतर्राष्ट्रीय ट्रिम जोहो ने अंग्रेजी और अंग्रेजी ही बोलने वाले बनाए।

जोहो ने इस दौरान बिना विदेशी निवेश और किसी दबाव के अपने सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट्स को अमेरिका, यूरोप और एशिया के बाजारों में ज्यादा लोगों को बढ़ाव दिया। गांव की लड़कों की अंतर्राष्ट्रीय ट्रिम जोहो ने अंग्रेजी और अंग्रेजी ही बोलने वाले बनाए।

जोहो ने इस दौरान बिना विदेशी निवेश और किसी दबाव के अपने सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट्स को अमेरिका, यूरोप और एशिया के बाजारों में ज्यादा लोगों को बढ़ाव दिया। गांव की लड़कों की अंतर्राष्ट्रीय ट्रिम जोहो ने अंग्रेजी और अंग्रेजी ही बोलने वाले बनाए।

जोहो ने

# हील्स

पे

ट्रोल के बढ़ते दामों और पर्यावरण संकट को देखते हुए बीते कुछ सालों से भारतीय ऑटो मार्केट में इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की डिमांड बढ़ती जा रही है। ऑटो कंपनियां भी अब स्टाइल से लेकर परफॉर्मेंस और पर्सनलिटी के बेहतरीन कॉम्बिनेशन वाले नए-नए मॉडल्स पेश कर रही हैं, जिससे इलेक्ट्रिक स्कूटर्स पर स्विच करने वालों को अब बजट, स्पीड या फीचर्स को लेकर समझौता नहीं करना पड़ रहा है। ऐसे में आगे आप भी इलेक्ट्रिक स्कूटर्स खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो आज हम आपको 2025 के पांच ऐसे स्कूटर्स के फीचर्स के बारे में बताएंगे, जो आपके और आपके पॉकेट के लिए बेस्ट रहेंगे।



## हीरो विडा वी 2 प्रो

हीरो विडा वी 2 प्रो 3.94 के डेवल्पमेंट बैटरी और 6 के डेवल्पमेंट से लैस है, जो 25 एनएम का टॉक जेनरेट करता है। हीरो का यह स्कूटर सिंगल चार्ज में 165 किमी रेज ऑफर करता है, जिसकी टॉप स्पीड 90 किमी प्रति घण्टे है। इसमें रिमोटेल बैटरी है, जिसे आप घर या ऑफिस कहीं भी आसानी से चार्ज कर सकते हैं। इसके अलावा इसमें 4 राइड मोड, रिजेनरेटिव ब्रेकिंग और एक बड़ा टीएफटी डिस्प्ले जैसे फीचर्स हैं। इसे आप 1.20 लाख की शुरुआती कीमत पर खरीद सकते हैं। हालांकि जगह के अनुसार कीमत बदल सकती है।



## एथर 450 एस

एथर 450 एस एक स्मार्ट, फीचर-लोडेड और प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटरों में से एक है। इस स्कूटर में कंपनी ने 2.9 के डेवल्पमेंट का बैटरी पैक दिया है, जो एक एफिशिएंट मोटर के साथ आता है। इस मॉडल की मोटर 5.4 के डेवल्पमेंट बैटरी की पावर और 22 एनएम का टॉक जेनरेट करता है। यह करीब 115 किमी की वलेम्ब रेज और 90 किमी प्रति घण्टे की स्पीड देता है। इसकी कीमत कि बात करें तो, इस मॉडल की कीमत वेरिएंट और जगह के हिसाब से अलग-अलग है। इस मॉडल की एक्स-शॉर्लम कीमत 1,20,841 से 1.44 लाख रुपये है। इसमें 7-इंच का कलर एलसीडी डिस्प्ले दिया गया है। स्कूटर का डीपव्यू डिस्प्ले रीयल टाइम नेविगेशन, राइड मोड और कनेक्टेड फीचर्स ऑफर करता है।

## टीवीएस ऑरविटर

टीवीएस ऑरविटर एक किफायती और फीचर से लैस इलेक्ट्रिक स्कूटर है, जो एक बार चार्ज करने पर लगभग 115-158 किमी की रेंज करता है। साथ ही 3.1 के डेवल्पमेंट बैटरी और मिड-मार्टेड मोटर द्वारा ऑपरेटेड 68 किमी प्रति घण्टे की टॉप स्पीड देता है। फीचर्स की बात करें



तो एक मल्टी-कलर इंस्ट्रॉमेंट क्लस्टर के साथ आता है। यह ब्ल्यूटूथ कनेक्टिविटी, हिल-होल्ड असिस्ट, क्रूज कंट्रोल, यूएसबी चार्जिंग, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, थर्प अलर्ट और ऑटोएस अपडेट सहित कई फीचर्स हैं। इसके अलावा यह 3.4 लीटर अंडरसीट स्टोरेज के पैकेजिंग भी ऑफर करता है, जो दो हाफ केस हैलमेंट और ड्युअल राइड मोड को स्टोर करने में सक्षम है। इसकी एक्स-शॉर्लम कीमत 99,000 रुपये है। जगह के अनुसार कीमत में बदलाव हो सकता है।



## बजाज चेतक 3501

बजाज चेतक 3501 की 3.5 के डेवल्पमेंट बैटरी 153 किमी तक चलती है। स्कूटर की टॉप स्पीड 73 किमी प्रति घण्टे है। इसमें 35 एल अंडर सीट कैपेसिटी, एंटी थ्रेस अलर्ट, ऑवरस्पीड अलर्ट, आईपी 67-रेड बैटरी पैक और स्मार्टफोन कनेक्टिविटी जैसे कई फीचर्स हैं। इस स्कूटर की शुरुआती कीमत 1.22 लाख रुपये है। जगह के अनुसार गाड़ी की कीमत में बदलाव हो सकता है।



## कार नहीं दे रही मनचाहा माइलेज अपनाएं ये उपाय

### नियमित सर्विस

आप अगर अपनी कार से अच्छा माइलेज चाहते हैं, तो उसकी सर्विसिंग में लापरवाही न करें। समय पर सर्विस न करने से इंजन आंयल खराब हो जाता है और आंयल लिंग होने लगता है। इससे इंजन पर दबाव बढ़ता है और फ्यूल खपत भी ज्यादा होती है।

समय पर सर्विस करने से इंजन की परफॉर्मेंस बनी रहती है और माइलेज बेहतर होता है।



आज के समय में कार सिर्फ एक जरूरत नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुकी है। भारत में लाखों लोग हर दिन कार से सफर करते हैं, लेकिन अक्सर उनकी शिकायत होती है कि गाड़ी का माइलेज उत्तमी दर से कम भिलता है। अक्सर सर्विस सेंटर जाकर भी कई बार कोई खास सुधार नहीं दियता। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर बिना कोई अतिरिक्त खर्च किए कार का एवरेज कैसे बढ़ाया जा सकता है। आइए आपको बताते हैं कुछ आसान और असरदार टिप्पणी, जिसको अपनाकर आप अपनी कार का माइलेज बढ़ा सकते हैं।



### टायर प्रेशर पर ध्यान दें

कार के टायरों में सही मात्रा में हवा होना माइलेज के लिए बेहद जरूरी है। अगर टायरों में हवा कम है, तो इंजन पर ज्यादा लोड पड़ता है और गाड़ी को चलाने में अधिक फ्यूल खपत होती है। इसलिए हप्ते में एक बार टायर प्रेशर जरूर चेक करें और कंपनी द्वारा बताई गई सीमा के अनुसार हवा भरवाएं।

### कंट्रोल स्पीड में चलाएं कार

गाड़ी को बहुत तेज़ चलाना ईंधन की खपत को बढ़ा देता है। बेहतर होगा कि कार को होशा नियंत्रित और नर्मल स्पीड में चलाएं। आमतौर पर 60 किमी प्रति घण्टे की रफ्तार सबसे संतुलित मानी जाती है। इस स्पीड पर इंजन कम पावर लेता है और कार अच्छा एवरेज देती है।

### बदलें छोटी-छोटी आदतें

ड्राइविंग के दौरान अचानक ब्रेक लगाना, ज्यादा एक्सीलेटर देना या क्लब्रॉक करना साधारण घटनाएँ हैं। ये बदलें अलावा, अगर कार लंबे समय तक खड़ी है, तो इंजन बंद कर दें। इससे फ्यूल बचेगा और एवरेज में सुधार होगा।

## डैशकैम : सड़क सुरक्षा का स्मार्ट तरीका

भारत में सड़कों पर गाड़ियों की बढ़ती संख्या के साथ ही सड़क हादसों के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे माहाल में कार मालिकों के लिए अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करना पहले से कहीं ज्यादा ज़रूरी हो गया है। यही बजह है कि अब लोग अपनी गाड़ियों में डैशकैम लगवाने की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। यह छोटा सा कैमरा अवसिफ्क एक्सेसरी नहीं, बल्कि एक जरूरी सुरक्षा उपकरण बन चुका है।

### क्या है डैशकैम

डैशकैम एक छोटा डिजिटल कैमरा होता है, जिसे आमतौर पर कार के डैशबोर्ड या विंडशील पर लगाया जाता है। यह ड्राइविंग के दौरान लगातार वीडियो रिकॉर्ड करता है। किसी एक्सीटेंट, ट्रैफिक विवाद या सड़क पर हुई दुर्घटना की स्थिति में फूटेज महत्वपूर्ण सबूत के तौर पर काम आते हैं। कई देशों में डैशकैम फुटेज को कानूनी साक्ष्य के रूप में स्वीकार किया जाता है और अब भारत में भी इसके उपयोग को लेकर जागरूकता तेजी से बढ़ रही है।



### क्यों ज़रूरी है कार में डैशकैम

डैशकैम का सबसे बड़ा फायदा यह है कि सड़क हादसों में अक्सर यह तय करना मुश्किल होता है कि गलती किसकी थी। ड्राइवर की या सामने वाले की। ऐसे में डैशकैम की वीडियो रिकॉर्डिंग विवादों को सुलझाने में निर्णायक सहायता होती है। साथ ही यह इंश्योरेंस क्लेम प्रक्रिया को भी आसान बनाता है। कई बार कार पार्किंग में खरोंच लग जाए या काई वाहन टक्कर जाए, तो डैशकैम फुटेज से जिम्मेदारी तय करने में मदद मिलती है।

